गुरुमाई चिद्विलासानन्द द्वारा लिखित पुस्तक

अन्तर-शुद्धि के सोपान

उद्धरण १५

बाबा मुक्तानन्द कहते हैं, “केवल दो चीज़ें भय को प्रेरित करती हैं। पहली यह कि तुम्हें यह बोध नहीं है कि तुम्हारे अन्तर में एक ऐसा दिव्य स्थान है जहाँ निर्भयता है। दूसरी यह कि तुम्हें भगवान की सहायता का बोध नहीं है।”

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

गुरुमाई चिद्विलासानन्द, *अन्तर-शुद्धि के सोपान : दिव्य सद्गुणों का योग* अध्याय १ “अभय,” से उद्धृत [चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, २०१३], पृ. ९।